MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) मुहावरे में व्यंग्यबाण कहते हैं – ----------।
   अ) व्यंग्य जैसी बुरी चीज़ को ।
   ब) ताने जैसी चीज़ को ।
   क) टीका - टिप्पणी को ।

2) यह चिड़िया बराबर बोलती है ----------।
   (अ) जुहो ! जुहो ! जुहो !
   (ब) भोल जाला ! भोल जाला !
   (क) सुबह हुई ! सुबह हुई !

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) किसी जमाने में एक अत्यंत ..... पहाड़ी कन्या थी।
2) उसके सिर पर बहुत बड़ा ..... निकल आया ।
3) पिता का ..... होने पर हम दिल्ली चले आए ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) सुबह होने पर रामू की बहू ने क्या देखा ?
2) राजकुमार को नि: शब्द पशुओं के बदले किसके पीछे दौड़ना चाहिए ?
3) गांधी जी कहाँ ठहरे थे ?
4) मुख्यमंत्री ने किन व्यंजनों की भरपूर तारीफ की ?
5) विनायक बाबू की पुत्रियों का अभावों में भी जिंदगी के प्रति दृष्टिकोण क्या था ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1) ''लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली है ।''
2) ''अब किसका भरोसा करूँ - ईमान का या बेईमानी का ? ''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1) मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
2) गोवर्धनदास पर पछताने की बारी क्यों आ गई ?
3) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनके मित्र ने किस प्रकार आनंद की फुलझड़ियाँ उड़ा दीं ?
4) 'साहब फिर कब आएँगे माँ' - ऐसा किसने, किससे और क्यों कहा ?
5) प्रीति मोंगा की दृष्टि से कामयाबी किसे कहते हैं ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

विनायक बाबू को सब कुछ घूमता - सा नजर आया । किसी शराबी की तरह झूमते हुए - से वे बँगले से बाहर की ओर चल पड़े । बँगले के बाहर आते ही मानो तिलिस्म टूटा । किसी अलग - सी दुनिया से निकल कर यथार्थ के धरातल पर कदम रख चुके थे वे ।

कल्पना की रोशनी में परछाई की तरह जो कार विनायक बाबू की साइकिल के साथ - साथ चल रही थी, अब यथार्थ के अंधेरे में अकस्मात लुप्त हो गई । उनका घर आ गया था ।''।

1) 'कार अकस्मात लुप्त हो गई' का मतलब क्या है ?
2) 'तिलिस्म टूटा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
3) 'उनका' यानी किनका घर आ गया ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको ..... कर ।
2) हिंद के बहादुरो, ... बालको ।
3) क्षितिज अटारी गहराई ..... दमकी ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) किसके रूठने पर हमें ठौर नहीं मिलता ?
2) झरना किस प्रकार रोड़ों से लड़ता चलता है ?
3) सुबह से हमने क्या नहीं देखा है ?

ग) **निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

''यदि तू लौट पड़ेगा थककर,
अंधड़ कालबवंडर से डर,

प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको हँस-हँसकर ।
खग, उड़ते रहना जीवनभर !''

1) कालबवंडर से कवि का क्या तात्पर्य है ?
2) खग से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?
3) अपनों द्‌वारा खग की खिल्ली कब उड़ाई जाएगी ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्‌यखंड का सरल गद्‌यार्थ लिखिए : **3**

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटने तक सना है ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्‌यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **6**

1) यशोदा कृष्ण को लालच दिखाती हैं ? और उसपर कृष्ण क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ?
2) कवि ने 'जनगीत' में नए विहान के लिए क्या-क्या आवश्यक माना है ?
3) गजलकार दुष्यंत कुमार ने आम आदमी की मजबूरियों को किन शब्दों में अभिव्यक्त किया है ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : **8**

1) चंदा माँगने वाले और देनेवाले लोग एक - दूसरे को किस तरह पहचान लेते हैं ?
2) लक्खी सराय के बालिका विद्‌यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
3) ईसाई धर्म में तुलसी का क्या महत्त्व है ?
4) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) अपनी - अपनी बीमारी
2) धनंजय और चारू-चिन्मय की बहादुरी का वर्णन

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) वाह ! 2) लिए

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) <u>उसने</u> ड्‌यूटी निभाई ।
2) बैलगाड़ी <u>धीरे - धीरे</u> चलती है ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : 1

1) आनंद का क्षण आता था । (पूर्ण भूतकाल)

2) माँ चिंता में पड़ती है । (सामान्य भूतकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : 1

1) तुम रोज आया करो ।

2) कबरी बिल्ली घी - दूध पर जुट गई थी ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) पाना 2) बनना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : 1

1) महकना 2) पूछना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) राजेश ने सीटी बजाई ।

2) रमा ने नीतू से कहकर परेश से पत्र भिजवाया ।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 2

1) पंडित परमसुख का नाक सिकुड़ गया ।

2) प्रकृतिसौंदर्य की जादू काम कर गई ।

3) शराबी की नशा उतर गई ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा

2) इसे संस्कृत में किंशुक (क्या यह शुक है) कहा गया है

3) ये बरगद नीम पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं

(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 3

1) साफ कर देना । 2) ढाक के तीन पात ।

3) बिजली की तरह फैलना । 4) जान आफत में आना ।

5) जान के लाले पड़ना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(पैर पकड़ना, ताँता बँधा रहना, सिहर उठना, कान खड़े रहना, जान में जान आना)

1) गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती थी ।
2) मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।
3) सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवान सदा सचेत रहते हैं ।
4) एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम भयभीत हो गया ।
5) मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता से माफी माँगी ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : 10

1) यदि मैं समाज सेवक बनूँ ..... ।
2) मेरा प्रिय शिक्षक ।
3) भ्रष्टाचार ।
4) एक फटी पुस्तक की आत्मकथा ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : 4

1) करन / करिश्मा वेद, बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय २४ घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अत: उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर के नाम पत्र लिखता / लिखती है ।
2) दिवाकर /दिव्या कदम, सुंदर धाम, गुड़गाँव से शास्त्री विद्यालय के प्रधानाध्यापक को मासिक शुल्क माँफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता /लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

दादर (मुंबई) एक शैक्षणिक संस्था के लिए आवश्यक टेलीफोन ऑपरेटर, क्लर्क आदि के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । 4

रूपरेखा : एक चरवाहा – झूठ बोलने की आदत – शेर आया, शेर आया कहकर चिल्लाना – लोगों का दौड़कर मदद के लिए आना – चरवाहे का हँसना – लोगों का लौट जाना – तीन-चार बार ऐसा ही करना – एक बार सचमुच शेर का आना – चरवाहे का मदद के लिए चिल्लाना – किसी का न आना – शेर का उसे मार डालना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** **4**

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है, वहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है। वहाँ से उसे स्वाभाविक प्रेम हो जाता है। वहाँ के सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते हैं। लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं और सभी का रहन-सहन एक-सा होता है । ऐसी दशा में वहाँ के लोगों से उसकी ममता का होना स्वाभाविक है। मनुष्य चाहे कितने ही अच्छे स्थान पर क्यों न रहने लगे, उसका मन जन्मभूमि में पहुँचने को उत्सुक रहता है । जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है । जिस देश में हमने जन्म लिया है, जिसके अन्न, जल और वायु से हमारा पालन हुआ है, उसके प्रति प्रेम की भावना रखना हमारा कर्तव्य है । देश की उन्नति में ही हमारी उन्नति है । यदि देश गिरी दशा में होगा तो न हम अधिक दिन संपन्न रह सकते हैं और न हमारा मान हो सकता है। देश के प्रति सबको ममता की भावना रखनी चाहिए।

Best Of Luck 👍

MT-114

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	मुहावरे में व्यंग्यबाण कहते हैं **व्यंग्य जैसी बुरी चीज़ को ।**	**1**
2)	यह चिड़िया बराबर बोलती है **जुहो ! जुहो ! जुहो !**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	किसी जमाने में एक अत्यंत **रूपवती** पहाड़ी कन्या थी।	**1**
2)	उसके सिर पर बहुत बड़ा **गुरमा** निकल आया ।	**1**
3)	पिता का **तबादला** होने पर हम दिल्ली चले आए ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	सुबह होने पर रामू की बहू ने देखा कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से उसे देख रही है ।	**1**
2)	राजकुमार को नि: शब्द पशुओं के बदले उन हिंसकों के पीछे दौड़ना चाहिए, जो धोखाधड़ी से दूसरों का वध करते हैं ।	**1**
3)	गांधी जी आनंद भवन में ठहरे थे ।	**1**
4)	मुख्यमंत्री ने मक्के की रोटी और सरसों के साग की भरपूर तारीफ की ।	**1**
5)	विनायक बाबू की पुत्रियों का अभावों में भी जिंदगी के प्रति आशावादी दृष्टिकोण था ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	महरी रामू की बहू के सिर से बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित करवाने के लिए माँ जी के कहने पर पंडित परमसुख जी को बुलाने जाती है । इसी संदर्भ में पंडित जी ने पंडिताइन से यह वाक्य अत्यंत खुश होकर कहा है ।	**2**
2)	घूसखोर फूड इन्स्पेक्टर ने कुछ सप्ताह पूर्व एक ग्वाले द्वारा 'हफ्ता' देने का विरोध करने पर उसके दूध में डिग्री लगाकर सैंपल की बोतलें भर दी थीं । उससे बाद में मिलने के लिए भी कहा परंतु वह मिलने नहीं आया। मजबूर होकर फूड इन्स्पेक्टर ने भी बोतलें फार्वर्ड कर दी, जिससे उस ग्वाले पर केस कायम हो गया । वह ग्वाला भी एक सामाजिक कार्यकर्ता का करीबी रिश्तेदार था।	**2**

परिणामस्वरूप उस सामाजिक कार्यकर्ता ने ऊपर जाकर फूड इन्स्पेक्टर का ही स्थानांतरण (ट्रांसफर) करवा दिया इससे आहत होकर अपनी आपबीती बताते हुए फूड इन्स्पेक्टर ने लेखक से कहा कि ''अब किसका भरोसा करूँ - ईमान का या बेईमानी का ?''

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है । **3**

बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी । उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया । वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया । लड़की का शृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा,'जुहो?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा,'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा लू चलने लगी । लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया । अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली । तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है ।

बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई ।

2) लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । **3**

फरियादी की बकरी दीवार के नीचे दबकर मर गई और इसका आरोप बारी - बारी से कई लोगों पर लगाया गया । आखिरी अपराधी कोतवाल ही साबित हुआ । राजा ने उसी को फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दिया । फाँसी का फंदा बड़ा निकला क्योंकि कोतवाल साहब दुबले - पतले थे । इस पर महाराज का हुक्म हुआ कि किसी मोटे आदमी को फाँसी दे दी जाए । किसी - न - किसी को सजा मिलनी जरूरी थी । गोवर्धनदास बैठा मिठाई खा रहा था । उसी समय चार सिपाहियों ने आकर उसे पकड़ लिया । गोवर्धनदास ने उनसे पूछा कि वे किसलिए उसे पकड़कर ले जा रहे हैं ? सिपाहियों ने कहा कि राजा ने किसी मोटे आदमी को फाँसी देने का आदेश दिया है । अंधेर नगरी में गोवर्धनदास काफी सस्ते दामों पर मिठाई खा - खाकर खूब मोटा हो गया था । उसकी गर्दन फाँसी के हिसाब से बराबर थी ।

इस प्रकार बिना किसी अपराध के फाँसी देने का निर्णय दिया गया तो गोवर्धनदास पर पछताने की बारी आ गई ।

3) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी ने 'आनंद का क्षण' पाठ में मान्यवरों के जीवन के कुछ घटना - प्रसंगों को स्पष्ट करते हुए बताया है कि जीवन में गंभीर बने रहने की अपेक्षा सहज ही में विनोद के प्रसंग निर्माण करके आनंदप्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । **3**

आनंद के क्षणों का कोई समय नहीं होता और इन क्षणों को जन्म देने का कोई निश्चित तरीका या प्रकार भी नहीं हैं । कहीं से किसी भी रूप में आ सकता है । आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी एक बहुत ही गंभीर किस्म के विद्वान थे । कवि सम्मेलनों में वे अपनी कविता बाँचने के स्वर में पढ़ा करते थे, उसे गाते नहीं थे पर उनके मित्र अपनी कविता खूब गाकर पढ़ा करते थे । एक कवि सम्मेलन में दोनों साथ गए । जब शुक्ल जी अपनी कविता बोलने के लिए खड़े हुए तो उनके मित्र जोर से बोले कि ''अब आप असुर की कविता सुनिए ।'' असुर का अर्थ बिना सुर की और राक्षस दोनों होता है । बड़ी सीधी चोट थी । शुक्ल जी सह गए, ज्यादा महत्त्व नहीं दिया । जब मित्र कविता पढ़ने खड़े हुए तो शुक्ल जी ने बड़े जोरदार स्वर में कहा, '' आप लोग असुर की कविता तो सुन ही चुके हैं, अब जरा ससुर की कविता सुनिए ।'' असुर की तरह ससुर के भी दो अर्थ होते हैं । पहला सुरसहित और दूसरा श्वसुर या सुसरा । जो एक संबंध भी है और गाली भी है । दोनों की बात किसी को बुरी नहीं लगी । सारा समाज हँसते - हँसते लोट - पोट हो गया और उस क्षण ने सभी के जीवन को गुदगुदा दिया ।

इस प्रकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनके मित्र ने आनंद की फुलझड़ियाँ उड़ा दीं ।

4) लेखक 'दामोदर खड़से' जी ने 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?' पाठ में गरीबी लाचारी दुख और आर्थिक विषमता से घिरी अभावग्रस्त जीवन का मार्मिक चित्रण किया है । **3**

होटल गोल्डन गेट में मंगली बरतन माँजने का काम करने वाली एक साधारण नौकरानी थी । पहाड़ की तराई पर बसी एक बहुत ही घनी झोपड़पट्टी में वह अपने परिवार सहित रहते हुए किसी तरह अपने दिन काट रही थी । गरीबी की विवशता के कारण उसके परिवार को रूखा - सूखा खाकर ही गुजारा करना पड़ता था । उस दिन होटल में आए मुख्यमंत्री जी के मनपसंद व्यंजन को मंगली द्वारा बनाने की कुशलता के कारण होटल की प्रतिष्ठा पर आँच नहीं आई थी । मुख्यमंत्री जी के जाने के बाद मुख्य रसोइए ने मंगली को पचास रुपए का नोट दिया और जिस टोकरी में वह सरसों का साग लाई थी, उसे भी मिठाइयों, रोटियों, पुलाव और साग - सब्जी से भर दिया गया । रोज की तरह आज भी बच्चे अपनी माँ के आने की राह देख रहे थे । मंगली द्वारा घर पहुँचते ही उसका नन्हा बेटा स्वादिष्ट भोजन वाली टोकरी पकड़कर खड़ा हो गया । आज किसी में धीरज न था । दोनों बच्चे टोकरी से चीजें निकाल - निकाल कर खाने लगे। बाद में मंगली ने भी बच्चों के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया । आज सौभाग्य से उन्हें इतना स्वादिष्ट और भरपेट भोजन मिला था । रात को मंगली ने बच्चों को बताया कि होटल में बहुत बड़े साहब आए थे । उनके लिए विशेष रूप से मक्के की रोटी और सरसों का साग बना था । उसी में से बची हुई चीजें उसे घर लाने के लिए दे दी गई थी । तब उसकी छह साल की बेटी ने पूछा, ''साहब फिर कब आएँगे माँ ?'' ऐसा स्वादिष्ट भोजन फिर कब मिलेगा । गरीबी की यह व्यथा की कथा व्यथित कर देती है ।

इस प्रकार 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?'' ऐसा मंगली की छह साल की बेटी ने स्वादिष्ट और भरपेट भोजन मिलने के बाद अपनी माँ से कहा ।

5)	'सफलता की चुनौतियाँ' पाठ में 'प्रीति मोंगा' के साक्षात्कार द्‌वारा शारीरिक कमजोरी पर विजय पाकर जिंदगी में कामयाबी के प्रति नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है । प्रीति मोंगा जी नेत्रहीन होते हुए भी एक सफल और प्रेरक महिला हैं । दृष्टिहीनता के बावजूद वे अपने सभी काम स्वयं ही करती हैं । कामयाबी के प्रति उनका दृष्टिकोण है कि सतत अथक चुनौतियों का सामना करते रहना । चुनौतियों से ही व्यक्ति की काबिलियत निखरकर दुनिया के सामने आती है । चुनौतियों से संघर्ष करते रहना ही जीवन को सार्थकता प्रदान करता है । चुनौतियों को सामने देखकर पलायन करनेवाले कभी - भी सफलता का आनंद नहीं ले पाते। प्रीति जी का मानना है कि जीवन में सफलता की सबसे पहली प्रेरणा असफलता ही है । इसी से सफलता की ओर बढ़ते रहने की हिम्मत मिलती है । सकारात्मक सोच और अथक परिश्रम के साथ चुनौतियों का सामना करते रहने से ही जीवन में सफलता हाथ लगती है । इस प्रकार प्रीति मोंगा जी की दृष्टि से कामयाबी चुनौतियों से संघर्ष करते रहने को कहते हैं ।	**3**
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	'कार अकस्मात लुप्त हो गई' का मतलब है - साइकिल पर सवार विनायक बाबू बड़े साहब के बँगले पर देखी हुई अद्‌वितीय कार के विचारों में डूबे हुए थे परंतु अपने घर पहुँचते ही उनके विचारों से उस अद्‌भुत कार की कल्पना गायब हो गई ।	**1**
2)	विनायक बाबू ने बड़े साहब के बँगले में कुछ ऐसी कल्पना से परे चीजें देखीं और सुनीं, जिनसे उन्हें बहुत हैरानी भी हुई थी । बड़े साहब के करिश्माई बँगले से बाहर निकलते ही उनके मन से संपन्नता का भ्रम टूट गया ।	**1**
3)	'उनका' यानी विनायक बाबू का घर आ गया ।	**1**
उ.2.	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको **हँस - हँस** कर ।	**1**
2)	हिंद के बहादुरो, **शूरवीर** बालको ।	**1**
3)	क्षितिज अटारी गहराई **दामिनी** दमकी ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	गुरु के रूठने पर हमें ठौर नहीं मिलता ।	**1**
2)	झरना वन के पेड़ - पौधों से टकराता हुआ और चट्‌टानों पर चढ़ता हुआ रोड़ों से लड़ता चलता है ।	**1**
3)	सुबह से हमने सूरज को नहीं देखा है ।	**1**

ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।

1) कालबवंडर से कवि का तात्पर्य मौत के तूफान से हैं । **1**

2) खग से हमें जीवनभर संघर्ष करते रहने की प्रेरणा मिलती है । **1**

3) अपनों द्वारा खग की खिल्ली तब उड़ाई जाएगी जब वह उड़ते - उड़ते थककर तथा आँधी और तूफान से डरकर लौट पड़ेगा । **1**

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।

भावार्थ : कवि दुष्यंत कुमार जी के अनुसार प्रशासन राजनीतिक और सामाजिक अव्यवस्था में भ्रष्टाचार रूपी कीचड़ इस कदर फैला है कि हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जा रहा है । इससे गुजरने वाले सभी लोग घुटनोंतक कीचड़ से सने (भरे) हुए हैं और उन्हें उनकी इस दुर्गति का अनुमान भी नहीं है । जनतंत्र की व्यवस्था आम लोगों की सुख - सुविधा को बनाए रखने के लिए ही निर्माण की गई थी परंतु आज यह पूरी तरह से भ्रष्टाचार रूपी धनतंत्र बनती जा रही है । जहाँ आम लोगों के दुख - दर्द असुविधाओं के लिए कोई स्थान नहीं है । अन्याय, बेईमानी, भ्रष्टाचार और शोषण आदि के कारण वर्तमान, प्रशासन भी कुशासन बनता जा रहा है । छोटे कर्मचारी, नौकरशाह, राजनेता सभी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे पाए जा रहे हैं । जिनसे जनता के मन में अव्यवस्था के प्रति चिढ़, नफरत और तीव्र आक्रोश पनप रहा है । **3**

इस प्रकार आज की अव्यवस्था के प्रति आक्रोश को लेकर जनमत लगातार एकजुट हो रहा है और भावी क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ता जा रहा है ।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है । **3**

जब कृष्ण यशोदा माँ से चंद्रमा का खिलौना पाने की जिद पर अड़ जाते हैं तब यशोदा माँ कृष्ण को खुश करने के लिए उनके कान में कुछ कहती हैं । वह कृष्ण को ब्याह का लालच देते हुए कहती हैं कि मैं चाँद से भी अधिक सुंदर तथा नई - नवेली दुल्हन से तेरा ब्याह कराऊँगी और इसके बारे में दाऊ को मैं कुछ नहीं बताऊँगी। यह बात सुनकर कृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं । वह कहते हैं कि मेरी बात सुनो माँ, तेरी सौगंध मैं अभी ब्याह करने जाऊँगा । सभी ग्वाले साथी मेरे बाराती होंगे और तुम मेरे लिए मंगल गीत गाना ।

इस प्रकार यशोदा कृष्ण को ब्याह का लालच दिखाती हैं जिससे कृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं ।

2) कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'जनगीत' कविता में सभी मानवों को एकता के सूत्र में एक हो जाने के संकल्प के साथ अन्याय, शोषण एवं उत्पीड़न को समाप्त कर 'मुक्तव्यक्ति' और संगठित समाज की कल्पना की है । **3**

	कवि ने जनगीत कविता में एक नए विहान की कामना की है । ऐसे विहान के निर्माण के लिए आवश्यक है कि लोगों में निजी स्वार्थ की भावना न हो । समाज में कहीं भी शोषण या अन्याय नजर न आए । लोगों में आपसी प्रेम, परोपकार और एकता की भावना हो । लोगों के मन में किसी बात का डर न हो। लोग निर्भयता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएँ । लोग विनाशकारी मदभेदों से दूर रहें । आपस में समानता की भावना हो । सबको विकास करने की पूरी स्वतंत्रता प्राप्त हो । समाज का उत्थान करने वाले लोगों को प्रमुखता दी जाए । व्यक्ति के गुणों का सम्मान हो । ऐसे नियम और कानून बने, जिनसे समाज के हर वर्ग को न्याय मिले । इस प्रकार 'जनगीत' कविता में नए विहान के लिए इन सभी बातों को आवश्यक माना है जिनसे एक आदर्श समाज की स्थापना होती है ।	
3)	गजलकार 'दुष्यंत कुमारै' जी ने 'मत कहो, आकाश में कुहरा घना है' गजल में आम आदमी के दबकर और घुटकर जीने की वजहों को अभिव्यक्ति दी है । दुष्यंत कुमार जी ने परिस्थितियों पर कठोर प्रहार करते हुए जनता के दुख - दर्द को वाणी प्रदान की हैं । आम जनता की परेशानियों की जड़ वर्तमान प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक अव्यवस्था है । ऐसे माहौल में यदि आम आदमी इस अव्यवस्था और कुशासन के प्रति अपनी आवाज बुलंद करता है तो इसी अव्यवस्था के पुजारी उसकी आवाज को यह कहकर मौन कर देते हैं कि उसे किसी की व्यक्तिगत आलोचना नहीं करनी चाहिए । किसी पर व्यक्तिगत आरोप लगाना अनुचित माना जाता है । यदि कोई सच्चाई जानने की भी कोशिश करता है तो उससे कहा जाता है कि आप सच्चाई जानने के लिए इतने इच्छुक और उतावले क्यों हैं ? सच्चाई रूपी सूर्य के उजाले में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार रुपी दलदल देखकर आप क्या कर लेंगे ? सच जान लेने से ही आपकी समस्याएँ समाप्त नहीं हो जाएगी । यहाँ की अव्यवस्था के भ्रष्टाचार रूपी कीचड़ में सभी आकंठ डूबे हुए हैं । सभी क्षेत्रों में प्रशासनिक अव्यवस्था का ही बोलबाला है । ऐसे माहौल में सच बोलना खतरे से खाली नहीं है । परदे के पीछे ही सच बोलकर अपने अभिव्यक्ति के अधिकार को सुरक्षित रखा जा सकता है । इस प्रकार गजलकार दुष्यंत कुमार जी ने आम आदमी की मजबूरियों को राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक अव्यवस्था के प्रति व्यंग्यात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया है ।	**3**
उ.3.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । लेखक के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो कई वर्षों से चंदा माँगने वालों का सामना कर रहा हो, यदि उसके पास कोई भी चंदा माँगने जाए तो वह तुरंत पहचान लेगा कि ये चंदा माँगने वाले लोग हैं । ठीक इसी तरह चंदा माँगने वाले अनुभवी भी उसे फौरन पहचान लेते हैं । चंदा लेने और देने वालों को एक - दूसरे के हाव - भाव और रंग - ढंग की बखूबी जानकारी होती हैं । इसके बावजूद चंदा लेने और देने वाले अपनी जिम्मेदारी अवश्य निभाते हैं । लेखक अपनी आप बीती बताते हुए कहते हैं कि उन्हें भी अक्सर किसी - न - किसी के यहाँ चंदा माँगने जाना ही पड़ता था । इस बार वे सज्जन के यहाँ चंदा	**4**

	माँगने गए जो चंदा न देने का अभ्यासी था । अत: दोनों एक - दूसरे के मन भावों से परिचित थे । वे सज्जन भी शायद समझ गए थे कि लेखक बिना चंदा लिए टल जाएगा और लेखक भी समझ गए कि उन सज्जन से चंदा मिलना असंभव है । इस प्रकार चंदा माँगने वाले और देने वाले एक - दूसरे को अपने अनुभवों के आधार पर पहचान लेते हैं ।	
2)	सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था । विद्यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्वारा जाना पड़ता है । किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है । यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं । इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवत: आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है । कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है । यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है । बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है । गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं । उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ । इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।	**4**
3)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । ईसाई धर्म के लोग भी हिंदुओं की तरह तुलसी को पवित्र मानते हैं । अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेट बेसिल' यानी 'पवित्र तुलसी' कहते हैं । कहते हैं कि ईसाइयों में तुलसी के पौधे को पवित्र माने जाने का मुख्य कारण यह है कि यह पौधा ईसा मसीह (क्राइस्ट) की कब्र पर उगा था । फ्रांस के लोग तुलसी को 'ल प्लांती रोयली' अर्थात 'राजसी पौधा' कहते हैं । इटली और ग्रीस के लोग तुलसी के गुणों से परिचित थे । यही कारण है कि संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की टहनियों को गिरजाघर में ले जाती हैं और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । कुछ पत्तियों को खा लेने और कुछ को अपने वार्डरोब में चूहे व कीड़े भगाने के लिए प्रयोग करने की प्रथा भी है । इस प्रकार ईसाई धर्म में तुलसी को पवित्र व रोग विनाशक माना गया है ।	**4**
4)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है ।	**4**

	थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं । राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है । इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है । **अथवा** **निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में परसाई जी ने लोगों की अपनी - अपनी परेशानी को सटीक हास्य - व्यंग्य शैली में प्रस्तुत किया है । लेखक के अनुसार इस संघर्षपूर्ण संसार में किसी व्यक्ति का जीवित रहने के लिए संघर्ष जारी है तो किसी व्यक्ति का संघर्ष अपनी संपन्नता को बनाए और बचाए रखने के लिए है । धनी वर्ग अंतहीन टैक्स की बीमारी से जकड़ा हुआ है । पुस्तक - विक्रेता बंधु पुस्तकों की कम बिक्री से दुखी है । गांधी - प्रतिष्ठान में कार्यरत ईमानदार व्यक्ति वहाँ की बेईमानी से व्यथित है । आठ कमरोंवाले मकान का निर्माता पैसों के अभाव में छह कमरे ही बना पाने के कारण दुखी है । एक अन्य व्यक्ति को रोटरी मशीन आ जाने के बाद मोनो मशीन मिलने में हो रही परेशानी का दुख है । लेखक भी अपने बिजली के बिल को ना भर पाने की समस्या से परेशान है । लेखक ने बड़े अमीरों से अनुरोध किया है कि वे अपने धन का कुछ हिस्सा भी यदि दान कर दें तो गरीबों को इससे बड़ी मदद मिलेगी और बड़े अमीरों को भी भारी टैक्स की बीमारी से मुक्ति मिल जाएँगी । इस प्रकार प्रस्तुत पाठ 'अपनी - अपनी' बीमारी में समाज के भिन्न - भिन्न वर्ग के लोगों की कठिनाईयों पर प्रकाश डालना ही लेखक का उद्देश्य है ।	**8**
2)	तेरह वर्षीय धनंजय महाराष्ट्र के वाशिम जिले के असोला गाँव का निवासी है। वह अपनी माँ का आज्ञाकारी पुत्र है। 20 अगस्त, 2002 के दिन वह अपनी माँ के साथ गाँव की नदी पर पूजा करने गया था। पड़ोस की अन्य पाँच महिलाएँ भी उनके साथ नदी पर नहाने और पूजा करने आई थीं। नहाते-नहाते वे पाँचों महिलाएँ एक भारी भँवर में फँस गईं। उनकी चीख पुकार सुनते ही धनंजय तुरंत उन्हें बचाने नदी में कूद पड़ा और इसी तरह एक डूबती हुई महिला को बचाकर किनारे खींच लाया। इसी तरह वह एक - एक कर शेष चारों महिलाओं को भी बचाने में कामयाब हो गया। चिन्मय और चारु भाई-बहन है । 10 अप्रैल, 2012 को अपनी माँ नेहा शर्मा के साथ लोकल ट्रेन से यात्रा कर रहे इन मासूम बच्चों ने ऐसा अनोखा कारनामा कर दिखाया, जिसे सुनकर लोग दाँतों तले उँगलियाँ दबाने लगे । वे जिस डिब्बे में सवार थे, उसमें दो बदमाश घुस आए ज्यों - ही गाड़ी चली उनमें से एक बदमाश ने साठ वर्षीय महिला यात्री का हैंडबैग छीन लिया । हाथ में चाकू लिए दूसरे बदमाश ने चारु और चिन्मय की माँ का हैंडबैग छीन लिया । गुस्से में आकर चारु ने झपटकर बदमाश के हाथ से बैग छीन लिया । इसपर बदमाश ने चारु के बाल पकड़कर	**8**

	उसे दरवाजे की तरफ धकेल दिया । इतने में पीछे से आकर चिन्मय ने उस बदमाश के बाल खींचे और अपने पैने दाँतों से उसे काट खाया । बदमाश के हाथ से चाकू छूट गया । चिन्मय ने बिना एक पल गँवाए चलती ट्रेन से चाकू बाहर फेंक दिया। दूसरे बदमाश ने बौखलाकर चिन्मय को सीट के नीचे धकेल दिया । फिर भी दोनों बच्चे बहादुरी से बदमाशों का मुकाबला करते रहे। इसी दौरान बदमाश के हाथ से वृद्ध महिला यात्री का बैग छूट गया जिसे चिन्मय ने लपक लिया । यह देखकर बदमाश घबरा गए और अगला स्टेशन आते ही दोनों ट्रेन से कूदकर भाग खड़े हो हुए । इस प्रकार धनंजय और चारु - चिन्मय इन बहादुर बच्चों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।	
उ.4.	**च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	**<u>वाह !</u>** क्या बात है ।	**1**
2)	बच्चों के **<u>लिए</u>** भी कुछ दीजिए ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	**<u>उसने</u>** ड्यूटी निभाई । **उ. सर्वनाम**	**1**
2)	बैलगाड़ी **<u>धीरे - धीरे</u>** चलती है । **उ. अव्यय**	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	आनंद का क्षण **<u>आया था ।</u>**	**1**
2)	माँ चितां में **<u>पड़ी ।</u>**	**1**
	झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1)	करो (करना) सहायक क्रिया ।	**1**
2)	गई (जाना) सहायक क्रिया ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखत क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।	
1)	वाक्य :- राधा कुछ कह नहीं <u>पाई</u> ।	**1**
2)	वाक्य :- उन्हें गुस्से में देख मुझसे कुछ कहते नहीं <u>बना</u> ।	**1**

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :**

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
महकना	महकाना	महकवाना
पूछना	पुछाना	पुछवाना

1) **1**
2) **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) बजाई - प्रथम प्रेरणार्थक रूप **1**
2) भिजवाया - द्वितीय प्रेरणार्थक रूप **1**

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :**

1) पंडित परमसुख <u>की</u> नाक सिकुड़ <u>गई ।</u> **1**
2) प्रकृतिसौंदर्य <u>का</u> जादू काम <u>कर गया ।</u> **1**
3) शराबी <u>का</u> नशा उतर <u>गया ।</u> **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) मैंने कहा,''भैया मत रोओ, सिर दुखेगा ।'' **1**
2) इसे संस्कृत में 'किंशुक' (क्या यह शुक है ?) कहा गया है । **1**
3) ये बरगद, नीम, पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं । **1**

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**

1) **साफ कर देना** – खत्म या नष्ट कर देना । **1**
वाक्य : नौकर ने मौका पाकर सेठ जी की तिजोरी **<u>साफ कर दी</u>** ।
2) **ढाक के तीन पात** – सर्वत्र एक जैसी स्थिति का होना । **1**
वाक्य : रमणीकलाल ने साल भर में कई तरह के धंधे बदले, पर कमाई वही **<u>ढाक के तीन पात !</u>**
3) **बिजली की तरह फैलना –** तेजी से फैलना । **1**
वाक्य : दामिनी के साथ हुए अत्याचार की खबर चारों ओर **<u>बिजली की तरह फैल गई</u>** ।
4) **जान आफत में आना –** संकट से गुजरना । **1**
वाक्य : रानी लक्ष्मीबाई को युद्ध भूमि में देखकर अंग्रेजों की **<u>जान आफत में आ जाती थी</u>** ।
5) **जान के लाले पड़ना –** प्राण संकट में होना । **1**
वाक्य : शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया की **<u>जान के लाले पड़ गए</u>** ।

	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदलए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :	
	(फूला न समाना, मोल लेना, ठुकरा देना)	
1)	गाँधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों का **<u>ताँता बँधा रहता था ।</u>**	**1**
2)	मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों की **<u>जान में जान आई ।</u>**	**1**
3)	सीमा पर देश की रक्षा के लिए हमारे जवानों के **<u>कान खड़े रहते हैं ।</u>**	**1**
4)	एकाएक डाकू को सामने देखकर मुनीम **<u>सिहर उठा ।</u>**	**1**
5)	मोहन ने अपनी गलती के लिए पिता के **<u>पैर पकड़ लिए ।</u>**	**1**
उ.5.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 137 - Q.43	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.132 - Q.38	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 125 - Q.30	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 100 - Q.5	**10**
उ. 6.	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 186 - Q.1	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 194 - Q.11	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 201 - Q. 3	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 90 - Q.7	**4**

❐❐❐❐❐